font>

Title: Problems being faced by sugarcane growers in the country.

कुंवर अखिलेश सिंह (महाराजगंज, उ.प्र.) : अध्यक्ष महोदय, गन्ना किसानों के विाय में पिछले दिनों सदन में कई बार चर्चा हुई, लेकिन मुझे दुख के साथ कहना पड़ रहा है कि आज गन्ना किसानों का करोड़ रुपया चीनी मिल-मालिकों के ऊपर बकाया है। भारत सरकार की गलत नीति के कारण पूरे देश के अंदर गन्ना किसान त्राहि-त्राहि कर रहे हैं। आज स्थिति इतनी बदतर हो चुकी है कि स्पैशल शूगर डवलपमेंट फंड से जिन चीनी मिल-मालिकों को आशा और प्रत्याशा में भारत सरकार ने धनराशि दी थी कि वे गन्ना किसानों के बकायों का और मजदूरों के बकाये का भुगतान करेंगे, उन चीनी मिल-मालिकों ने इस धन को हड़प लिया है। आज तक चीनी मिल-मालिकों ने गन्ना किसानों का करोड़ों रुपए का बकाया नहीं दिया है। मैं उदाहरण के रूप में तीन चीनी मिलों को आपके सामने रखना चाहता हूं। कुशी नगर जनपद के अंतर्गत जो कप्तान गंज चीनी मिल है, उसके ऊपर किसानों का सात करोड़ रुपए से ज्यादा का बकाया है।

इसी तरह से मेरे लोकसभा जनपद क्षेत्र के अन्दर सीसवा बाजार चीनी मिल पर किसानों का करोड़ों रुपया बकाया है। संतकबीर नगर के अन्दर मै. खलीलाबाद शुगर मिल पर किसानों का 5 करोड़ 37 लाख रुपया बकाया है, मजदूरों का 6 करोड़ 55 लाख रुपया बकाया है तथा बिक्री-कर का 7 लाख रुपया बकाया है। उक्त चीनी मिल ने इतनी धोखाधड़ी की है कि मिल को 27 करोड़ 66 लाख रुपए, एक या दो रूपए नहीं, विभिन्न बैंकों और शुगर डवेलपमेंट फन्ड से प्राप्त हुए हैं। इसके बावजूद भी उस चीनी मिल-मालिक ने किसानों के बकाए अदायगी नहीं की है। उत्तर प्रदेश के अधिकारियों के गिरोह ने उक्त चीनी मिल के लिए 35 करोड़ रुपए की पुनः ऋण पत्रावली स्वीकृत करके भारत सरकार को भेजी है। इस संबंध में मैंने व्यक्तिगत तौर पर प्रधान मंत्री जी को एक पत्र लिखा और स्वयं वित्त मंत्री जी से मिला। उस संदर्भ में वित्त मंत्री जी ने भारत सरकार के संबंधित विभाग को यह निर्देश दिया कि किसी भी कीमत पर उसे धन की अदायगी मत करें।

अध्यक्ष महोदय : आप अपनी बात समाप्त करें।

कुंवर अखिलेश सिंह : महोदय, राज्य सरकार ने निर्लज्जता की सीमा को पार करके मै. खलीलाबाद शुगर मिल को फिर से 12 करोड़ रुपए देने का निर्णय ले लिया है, जिस मिल-मालिक पर 27 करोड़ 66 लाख रुपए विभिन्न वित्तीय संस्थाओं का बकाया है और 12 करोड़ रुपए मजदूरों और किसानों का बकाया है। इसके बा वजूद भी उत्तर प्रदेश की सरकार 12 करोड़ रुपए देकर किसानों का गला घोंट रही है और जनता के धन को लुटाने का काम कर रही है। हमारी भारत सरकार से मांग है कि मै. खलीलाबाद शुगर मिल, जिस पर कि 27 करोड़ 66 लाख रुपए, ब्याज और पैनल्टी सहित, विभिन्न वित्तीय संस्थाओं का न देने का आरोप है, अगर उसे राज्य सरकार द्वारा धन दिया जाएगा, तो निश्चित ही तौर पर जनता के धन की बर्बादी होगी। इसलिए भारत सरकार उत्तर प्रदेश की सरकार को यह निर्देशित करे कि उक्त चीनी मिल को धन आबंटित न करे और उक्त चीनी मिल द्वारा किसानों को बकाया धन वापिस कराया जाए।

इसी संदर्भ में भारत सरकार ने गत र्वा कहा था कि गन्ना किसानों को उनके उत्पादन के मूल्य का भुगतान कराया जाएगा। कल ही वित्त मंत्री जी ने बयान दिया है कि उत्तर प्रदेश में 95 रुपए से 100 रुपए प्रति क्विंटल मूल्य पर गन्ने का मूल्य दिया जाएगा, लेकिन उत्तर प्रदेश में कहीं पर भी इस कीमत पर भुगतान नहीं हो रहा है, जिसके कारण किसान आक्रोाित हैं और जगह-जगह आन्दोलन कर रहे हैं। किसान जब आन्दोलित हैं, तो किसानों पर गोलियां और लाठियां चलाईं जा रही हैं। मेरा ि वनम्रतापूर्क आग्रह है कि जब सदन में यह निर्णय लिया गया है, तो उस निर्णय का अनुपालन सुनिश्चित करें तथा आन्दोलित किसानों पर गोली और लाठी चलाने का जिसने निर्देश दिया है, लोकतन्त्र को बचाने के लिए, किसानों को बचाने के लिए, उनके खिलाफ कार्यवाही करने का काम करें।

SHRIMATI RENUKA CHOWDHURY (KHAMMAM): Sir, I associate myself with this.